रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रुपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर–305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

www.svmmcollege.in

Unit Wise

Notes

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

पुर्नजागरण

- ग्रीको रोमन सभ्यता भौतिक थी जो आम आदमी की बात करती थी ग्रीको रोमन के बाद मध्यकाल आया
- यूरोप मे पुनर्जागरण का काल 14वी-15वी सदी मे

*पुनर्जागरण → अतीत से प्रेरणा लेकर के कुछ नवीन प्रवृत्तियो का जन्म हुआ, तर्कवाद, बुद्धिवाद, मानववाद की स्थापना की गयी एवं संश्लेषणात्मक तथा विश्लेषणात्मक पद्धतियो द्वारा मानव को केन्द्र मे रखा गया इन सभी प्रवृत्तियो को समवेत रूप से पुनर्जागरण कहा गया है।
इसकी अभिव्यक्ति मुख्य रूप साहित्य, कला, Science Tech मे दिखाई गई

→ पुनर्जागरण के कारण :-

1) भौगोलिक खोजे → पोप की मान्यता पर (?)
2) कुस्तुनतुनिया का पतन → 1453
   - नयी दुनिया की खोज → मार्ग अवरुद्ध हुए
   - → इंग्लैंड मे / यूरोप मे व्यवसायिक क्रांति उदय
   - तुर्क लोग असभ्य थे इस कारण पूर्वी ग्रीको रोमन साम्राज्य के लोग वहा का साहित्य लेकर यूरोप की तरफ भागे / रोम के लोग सर्वाधिक भागे तो रोम का प्रवजन माना गया

   ↓

   So यह साहित्य भी पुर्नजागरण का कारण था।
3) छापाखाने का विकास/स्थापना →
   - गुटेनबर्ग (जर्मनी)
   - कैक्स्टन
   - → बाइबिल छापी गई तथा जनता मे वितरण
4) धर्मयुद्ध < तुर्क / ईसाई — Reason जेरूसलम को लेकर
   - → पश्चिम के लोगो को पूरब का ज्ञान हुआ अरब गणित, भारतीय दर्शन
5) मंगोल साम्राज्य — कुबलई खाँ

   ↓ बाहरी लोगो को बुलवाकर उसके अनुभव को लिखवाता था।

* पुर्नजागरण इटली मे हुआ।

Scanned with OKEN Scanner

Q. पुनर्जागरण इटली में ही क्यों ?

Ans. इटली की व्यवस्था अन्य राज्यों की अपेक्षा अनुकूल
- इटली का समाज खुला था (5-7)
- इटली में सामंती व्यवस्था सशक्त नहीं +
- इटली में नगरों का विकास हुआ था, ग्रामीण नहीं
- इटली के व्यापारी धनी थे उन्होंने कुस्तुनतुनिया के भागे लोगों को शरण दी।
- इटली का पोप उदारवादी विचारों का था, उस ने पुनर्जागरण को स्वीकारा।
- प्राचीन ग्रीको रोमन सभ्यता का केन्द्र था।

→ पुनर्जागरण का प्रभाव →

1) साहित्य पर प्रभाव → क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग (इटेलियन, फ्रेंच, जर्मन)
→ धर्म का विषय छोड़ कर लौकिक विषय पर ध्यान

↓ (पहले लैटिन भाषा में लिखा जाता था)

(A) (इटेलियन) दांते → Divine Comedy
- वीतानोवा → सौंदर्य गीत
- The Monarckia - राजनीति पर

इटेलियन
- (B) बोकासियो → The deckmore (100 कहानियों का संग्रह)
- (C) मैकयावेलि → The Prince

फ्रेंच
- (d) मोन्टेन → निबंध लेखन

अंग्रेजी
- (e) टॉमसमूर → The Euthpia
- (F) शेक्सपियर → मैकबेथ, रोमियो-जूलियट
- (g) चॉसर → कैंटरबरी टेल्स

जर्मन
- (h) इरेस्मस → प्रेज ऑफ फौली (मूर्खता की प्रशंसा)

② कला पर प्रभाव :

(क) चित्रकला →
- (A) जिटटो - प्रकृति एवं मानव चित्र
- (B) लियोनार्दो द विंची - मोनालिसा, द लास्ट सफर
- (C) माइकलो एंजलो - द लास्ट जजमेंट
- (D) राफेल - मेडोना (गर्भवती महिला)

Scanned with OKEN Scanner

(ख) स्थापत्य कला ÷ मध्यकालिन गोथिक कला को छोड़ दिया गया। विस्तृत आयोजन होने लगे गुंबद, मेहराबों का प्रयोग

(ग) संगीत ÷ वायलीन, ऑपेरा प्रयोग Music

(घ) राजनीति ÷ राजनीति व धर्म को अलग-2 किया राज्य को धर्म निरपेक्ष बताया

(ङ) अर्थव्यवस्था ÷ वाणिज्य वाद का उदय

प्रबोधन ÷ 16 वी से 18 वी सदी

→ पुर्नजागरण कालीन प्रवृतियो को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया गया। तर्कवाद, बुद्धिवाद, प्रयोगवाद पर बल दिया जायेगा।

• पुर्नजागरण मे अतीत से प्रेरणा ले गयी	• प्रबोधन वर्तमान के ज्ञान की प्रेरणा ली गई • प्रबोधन वैज्ञानिक प्रवृतियो का व्यापक स्वीकारोक्ति। • मोन्टेस्क्यु, वाल्टेयर, रुसो कांट, दिदरो, कवेस्की

कांट → बुद्धिवाद, → अनुभववाद } समीक्षावाद

मोन्टेस्क्यू – शक्ति का पृथक्करण सिद्धांत → कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका

वाल्टेयर – स्वतंत्रता

रुसो – मानववाद

कवेस्की – आर्थिकवाद

प्रबोधन का सामान्य विचार →

• प्रकृति एक मशीन की तरह है जो कि कतिपय नियमो के सहारे चलती है।
• मानव हित इसमे है कि वह इन नियमो का पता लगाये
• बुद्धि एवं तर्क द्वारा पता लगाया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

औद्योगिक क्रांति

- औद्योगिक क्रांति क्या है?
- इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति के कारण
- इंग्लैण्ड का औद्योगिक विकास
- औद्योगिक क्रांति के परिणाम
- USA का औद्योगिककरण
- रूस का औद्योगिककरण
- जर्मनी का औद्योगिककरण
- जापान का औद्योगिककरण
- USSR का औद्योगिककरण

औद्योगिक क्रांति : यह उत्पादन पद्धति में उन परिवर्तनों से संबंधित है जिनमें मानव श्रम का स्थान मशीनों ने ले लिया तथा कुटीर संगठनों का स्थान औद्योगिक संगठन ने ले लिया।

औद्योगिक क्रांति में परिवर्तनों की गति उतनी महत्वपूर्ण नहीं है जितनी की संस्थागत संरचना।

औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन पद्धति में संरचनात्मक परिवर्तनों का सूत्रपात किया।

⇒ औद्योगिक क्रांति के निम्न तत्व थे →

1) पूंजी एवं तकनीक का प्रयोग
2) श्रमिक वर्ग का योगदान
3) उत्पादन की मात्रा बाजारोन्मुख हुई उदा. सूती वस्त्र
4) बैंकिंग निर्माण आदि तत्वों की प्रमुखता होगी

⇒ औद्योगिक क्रांति का आधार व्यावसायिक क्रांति, पुर्नजागरण व प्रबोधन ने तैयार कर दिया था।

⇒ औद्योगिक क्रांति का आधार →

व्यावसायिक क्रांति/वाणिज्यवाद + पुर्नजागरण + प्रबोधन

- व्यावसायिक क्रांति/वाणिज्यवाद ↓ पूंजी का सृजन
- पुर्नजागरण ↓ मानववाद की स्थापना ↓ मानव का लाभ ↓ अधिकतम लाभ
- प्रबोधन ↓ तकनीक

Scanned with OKEN Scanner

इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति के कारण →

1. कृषि क्रांति
2. जननांकिय क्रांति
3. व्यवसायिक क्रांति
4. परिवहन क्रांति
5. इंग्लैण्ड के उपनिवेश
6. इंग्लैण्ड के शासकों की नीतियाँ

अधिकतम लाभ की स्थिति मे मजदूरो का शोषण होता है तथा बाद मे जब मजदूरो को लेकर हितो की बात होगी तथा समाजवाद का उदय होगा।

(1) कृषि क्रांति ÷ उन परिवर्तनो का परिणाम था जिससे कृषि पद्धति तथा उत्पादन मे परिवर्तन हुआ।

→ बाड़बंदी आंदोलन → जोत का आकार बढ़ा
मशीनो का प्रयोग हुआ।

टल → ड्रील की खोज
टाउनसेंड → शस्यावर्तन
आर्थर यंग → आधुनिक कृषि
रॉबर्ट बेकवेल → पशुओ की नस्ल सुधार

परिणाम ↓

उत्पादन मे वृद्धि → क्रयशक्ति ↑ - मांग ↑
मशीनो के use से श्रम मुक्त कृषि हुई
जीवन प्रत्याशा बढ़ी → मांग ↑
इन परिणामो से औद्योगिक क्रांति हुई।

(2) जननांकिय क्रांति ÷ 1740 मे 3.5%
1750 मे 7%
1760 मे 10%

1751 से 1821 मे जनसंख्या दोगुनी हो गयी
इससे मांग बढ़ी तथा श्रमिक भी अतः औद्योगिक क्रांति हुई

(3) व्यवसायिक क्रांति ÷ पुंजी का आधार निर्मित

(4) परिवहन क्रांति ÷ मैकेन्डम - पक्की सड़क बनाने की तकनीक
ड्यूक (ब्रीजवाटर) - जल परिवहन

Scanned with OKEN Scanner

(USA)
रॉबर्ट फुल्टन - वाष्प इंजन
जेम्स वाट - भाप से चलने वाली रेलगाड़ी
परिवहन से बाजार का एकीकरण हुआ तथा मांग बढ़ी।

(5) इंग्लैंड के उपनिवेश ÷
- उपनिवेशों से धन आया।

उदाहरण → 1757 से 1760 तक ब्रिटिशों ने इंग्लैंड ने भारत से धन भेजा वो उनकी GDP का 2% था।
- उपनिवेशों से कच्चा माल।

उदा. नील, जूट, कपास
- ऐसी नीतियां अपनाई गई जिसमे उपनिवेशों को ब्रिटेन का बाजार के रूप मे परिवर्तन किया गया

(6) ब्रिटिश शासकों की नीतियाँ +
राजनीति व आर्थिक नीति का समन्वय

⇒ इंग्लैंड मे औद्योगिक विकास ÷
(1) सूती वस्त्र उद्योग का विकास ÷ यार्कशायर, मैनचेस्टर, लंकाशायर
↓
उपनिवेशों से भी कच्चा माल
(2) मशीनी उद्योग का विकास
(3) जहाज रानी उद्योग का विकास

⇒ औद्योगिक क्रांति का परिणाम ÷
(1) आर्थिक परिणाम → उत्पादन मात्रा मे वृद्धि हुई
यह उत्पादन पद्धति स्थानीय बाजार तक नहीं बलकि वैश्विक बाजार तक हुई
औद्योगिक पूंजीवाद का विकास -
राज्य संरक्षणवादी नीति अपनाये गे
नये नगरो का विकास

Scanned with OKEN Scanner

(2) राजनैतिक परिणाम → श्रमिक चेतना का विकास हुआ क्योंकि पुंजीवाद मे श्रमिको का शोषण ही होता है (पुंजीवादी अधिकतम लाभ की बात करते हैं) श्रमिक संगठनो का विकास हुआ। श्रमिक लोकतांत्रिक अधिकारो की मांग करेगा।

- 1830-32 मे ब्रिटेन मे चार्टिस्ट आंदोलन हुए

(3) सामाजिक/सांस्कृतिक परिणाम →

- श्रमिको का आवश्यकता से अधिक संकेन्द्रण हुआ तथा यहा से slam क्षेत्र का विकास हुआ।
- संयुक्त परिवार प्रणाली मे बिखराव आया।
- सामाजिक समस्या की शुरूआत
- नैतिक मूल्यो मे गिरावट आयी

(4) समाजवादी विचारो का उदय हुआ जो कि श्रमिको के कल्याण की बात करता था। • आदर्शवादी समाजवाद - साइमन, लुई ब्लॉक, फूरिये, रॉबर्ट ओवन

- वैज्ञानिक समाजवाद - कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंजिल्स

अमेरिका का औद्योगिकीकरण

USA का औद्योगिकीकरण मोटे तौर पर ब्रिटिश मॉडल पर ही था BCS अमेरिकी समाज मे ब्रिटिश लोग प्रभावी थे किन्तु कई संदर्भों मे USA का औद्योगिकरण, ब्रिटिश उद्योगीकरण से अलग था →

(1) पुंजी की मात्रा एवं प्रकृति का अंतर था :
U.K की तुलना मे USA की पुंजी मे कमी थी इसे Joint Stock Company के आधार पर पूरा किया गया।

इसकी अतिरिक्त U.K उद्योगीकरण मे उपनिवेशो की पुंजी एवं बाजार का सम्पुर्ण योगदान था जबकि USA मे यह नदारद थी। ऐसा कह सकते है U.K के औद्योगिकरण मे जो भूमिका उपनिवेश की पुंजी की थी USA के पास यह भूमिका Joint stock Company की रही

(2) USA की ~~सुरक्षा~~ पास U.K की तुलना मे प्राकृतिक संसाधन अधिक थे

(3) WW के दौरान USA का औद्योगिकरण मे उछाल आया

USA का औद्योगिक विकास :-

(1) न्यू इंग्लैण्ड व ग्रेट लेक क्षेत्र - सुतीवस्त्र

(2) लौह उद्योग → ग्रेट लेक क्षेत्र (कोयला व लोहा) पेन्सिलवेनिया

(3) इलेक्ट्रॉनिक्स → मध्य अमेरिकी क्षेत्र न्युयॉर्क, न्युजर्सी

(4) कृषि / शराब → कैलिफॉर्निया

- 1820 मे औद्योगिक क्षेत्र - 5 करोड थी
- 1850 मे औद्योगिक क्षेत्र - 50 करोड हो गया
- 1914 मे वह सप्लायर था तो उसका औद्योगिक क्षेत्र बढा
  - W.W I मे पश्चिमी राष्ट्रो का सप्लायर था (मुख्यतः ब्रिटेन)
- यद्यपि 1930-32 के दौरान USA मे आर्थिक मंदी रही But W.W II के दौरान USA की भूमिका बढी !
- W.W II के बाद पश्चिमी युरोप के पुर्न निर्माण मे USA की महत्वपुर्ण भूमिका रही

Scanned with OKEN Scanner

जर्मनी का औद्योगिकरण

जर्मनी, उतर व दक्षिण मे बटा हुआ था 300 से अधिक राज्य थे उनके अंदर अलग-2 राजा शासन करते थे। इस कारण वो Tax लगाते थे (सीमाकर) तो इस कारण वस्तु का मूल्य भी बढ़ जाता था तो वहा पर अच्छे से व्यापार वाणिज्य नहीं पनपना।

समस्याएँ → ① जर्मन छोटे राज्यो मे विभक्त
② पूंजी की समस्या।
③ बाजार की समस्या।
④ अधोसंरचना की समस्या।

इन कारणो से जर्मनी का औद्योगिकरण ब्रिटेन से अलग था।

- उतरी जर्मनी मे से "प्रशा" नामक राज्य सामने आया तथा औद्योगिकरण की शुरूआत हुई।
- प्रशा मे "पुटिंग आउट सिस्टम" के आधार पर राइनलैंड एवं सायलेशिया के क्षेत्र मे औद्योगिकरण की शुरूआत हुई तथा यहा पहल स्वयं राज्य ने किया तथा शुरूआत रक्षा उद्योगो से हुई।
- जर्मन क्षेत्र मे नेपोलियन आक्रमणो से भी औद्योगिकरण को प्रेरणा मिली। जर्मन संघ का गठन हुआ।

> पुटिंग आउट सिस्टम
> ↓
> जब किसी कंपनी द्वारा कोई कार्य करवाने के लिए लोगो को कार्य देना तथा वह कार्य कर लाने पर उन्हे पैसा देना बाकी कार्य जो वो करना चाहे कर सकते हैं

- नेपोलियन की मृत्यु 1815 मे
↓
इसके बाद उसका साम्राज्य बांटा गया तथा <u>वियना कांग्रेस - 1815</u> से प्रशा को पोलिश व सार का क्षेत्र दिया गया जो कोयला तथा लौह प्रधान क्षेत्र थे इस कारण प्रशा औद्योगिकरण मे सहायक था।
- जालवेरीन / सालवेरिन संघ - 1830
↓
कर मुक्त व्यापार करने का संगठन शुरूआत मे (39) राज्य थे

Scanned with OKEN Scanner

- Joint Stock Company की स्थापना हुई।
- सड़क परिवहन, यातायात, रेलवे, आधारभूत उद्योग स्थापित
- सेलोवा का युद्ध 1871 → जर्मन संघ का निर्माण तथा भरपूर मात्रा में फ्रांस से क्षतिपूर्ति।
- [redacted] नेपोलियन ने कॉन्टीनेंटल सिस्टम (महाद्वीपीय व्यवस्था) लाया उसने कहा कि कोई भी राष्ट्र इंग्लैंड के साथ व्यापार नहीं करेगा अगर करेगा तो वह उसे दंडित करेगा इसमे जर्मनी ने इंग्लैंड की मदद की तो भी औद्योगिकरण को बढ़ावा मिला।

❀ रूस का औद्योगिकरण ❀

- रूसी क्रांति के पहले का चरण – 1917
- USSR का औद्योगिकरण – 20वी सदी
  (लेनिन तथा स्टालिन)
  ↓
  New Economy Policy

→ (रूस) • क्रांति से पहले यूरोप का सबसे पिछड़ा राज्य था
- → • जलवायु विषम थी,
- → • पूंजी भी नही / बाजार नही / उपनिवेश नहीं थे
- → • बाजार का एकीकरण नही Bcz बड़ा क्षेत्र व कुछ
- → • क्षेत्र रहने लायक भी नहीं

प्रयास → Ist पीटर द ग्रेट
- (↳ पश्चिमी देशो से तकनीक चुराता लाता था।
- ↳ राज्य ने पूंजी लगायी तथा रक्षा उद्योगो मे लगाया तथा इन्हे खरीदा भी था।

II अर्लेक्ज़ेंडर गिरशेनक्रॉन मॉडल
औद्योगिक क्रांति मे आधारभूत कारकों के अभाव मे भी औद्योगिककरण हो सकता है बशर्ते राज्य इसमे Positive हस्तक्षेप करे।

Scanned with OKEN Scanner

III गेरसेन क्रोन मॉडल

भारी व आधारभूत उद्योगों की स्थापना तो सहायक उद्योगों स्वयं विकसित होंगे, राज्य पूंजी हेतु विदेशी ऋण पर निर्भर रहे। राज्य का प्रयास तब तक चलना चाहिए जब तक अर्थव्यवस्था विकसित ना हो जाए एक बार विकसित हो जाने के बाद सरकार अपनी भूमिका त्याग दे।

इस मॉडल का परिणाम → 1895 में ऋण 30% था GDP का, 1914 तक यह 48% हो गया।

But रक्षा, मशीनरी, रेलवे, का विकास बहुत हुआ

- 1860 में रूस की रेलवेलाइन 1000 मील
- 1916 में यह रेलवेलाइन 4000 मील

लेकिन आम जनता के उपभोग की वस्तुए नहीं मिलती थी (बाजार में)

अमेरिकी क्रांति

- अमेरिकी समाज का निर्माण
- अमेरिकी क्रांति के कारण
- अमेरिकी क्रांति का स्वरूप
- अमेरिकी क्रांति, क्रांति थी?, मध्यवर्गीय क्रांति थी? स्वतंत्रता संग्राम थी?
- अमेरिकी क्रांति का परिणाम
- अमेरिकी संविधान

अभिजात्य वर्ग ÷ संख्या मे कम, प्रभाव मे ज्यादा, संसाधनो पर नियंत्रण, अभिजात्य वर्ग के पक्ष मे आर्थिक-सामाजिक असंतुलन, सामाजिक विशेषाधिकार

सर्वहारा वर्ग ÷ संख्या मे ज्यादा, प्रभाव मे कम, आर्थिक संसाधनो पर नियंत्रण नही, शोषित होते थे
↳ (मजदूर + किसान)

मध्य वर्ग ÷ अभिजात्य वर्ग व सर्वहारा वर्ग के बीच
↳ Dr., Er., Advocate, Teacher Etc.

अमेरिकी समाज का निर्माण ÷

- मूल निवासी – Red Indian
- क्रिस्टाफर कोलम्बस (स्पेन) – Indies खोज
- अमेरिगो वैस्पुस्सी (इटली) – अमेरिका नाम
- क्रिस्टाफर लियोफेल्ड (इंग्लैंड) – New England खोज
  ↓
  13 शहरो की स्थापना, तटीय क्षेत्र मे

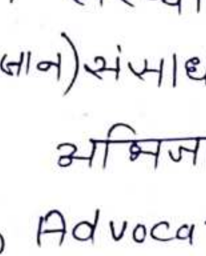

अमेरिकी समाज
- → ब्रिटीशर्स – 90% उस समय का
- → फ्रेंच
- → इटेलियन
- → स्पेनिश
- → हॉलैंड

} 10% उस समय का

Scanned with OKEN Scanner

• ये लोग भौतिकवादी, सहासी, प्रवृति शील थे

अमेरिकी क्रांति के कारण ÷

(A) सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक विरोधाभास →

1688 मे इंग्लैंड मे क्रांति हुई थी तथा क्राउन ने अपने अधिकार संसद को दे दिये तथा संवैधानिक प्रमुख रह गये

(1) ब्रिटिश सरकार (संसद) का कहना था कि अमेरिकी क्षेत्रो पर संसद का नियंत्रण रहेगा। B.Cz 1688 की क्रांति के बाद क्राउन के अधिकार संसद को दे दिये गये। जबकि अमेरिकी समाज का तर्क था उनका विकास संसद से पहले क्राउन की पहल पर हुआ और उन्होने क्राउन से वहा कि संसद का निर्माण करे।

(2) अमेरिकी समाजी लोग क्राउन को धन अनुदान के रूपमे दे सकते है पर कर के रूप मे नही देगे। इस समय No Taxation without Repersentation

(3) व्यवहारिक कारण – कुछ लोग अपने हितो के लिए क्रांति का समर्थन किया था। उदा.

औद्योगिक वर्ग → औद्योगिक विकास के अवसर मिलेगे

कृषक वर्ग → सूदखोर महाजनो के त्रहण से बचेगे

(B) राजनैतिक तथा प्रशासकीय व्यवस्था/ढांचा →

→ गवर्नर जनरल – कार्यपालिका का वास्तविक प्रमुख

→ कार्यपालिका – सदस्य

→ विधायिका – कानून बनाने का कार्य

इसके लोगो को स्थानीय लोग चुनेगे

सदस्यो का क्राउन नियुक्त करेगे

अमेरिका मे गवर्नर जनरल व कार्यपालिका सदस्यो को क्राउन द्वारा नियुक्त किया जाता था।

Scanned with OKEN Scanner

विधायिका के लोगो को स्थानीय जनता द्वारा चुना जाता था क्रांति के पूर्व के वर्षो मे वाणिज्यिक, राजनैतिक मुद्दो पर विधायिका एवं कार्यपालिका मे विरोधाभाव की स्थिति आयी तथा क्रांति को प्रोत्साहन मिला।

अमेरिका का बौद्धिक आंदोलन :-

बेंजामीन फ्रेंकलिन → अमेरिकन फिलोसोफीकल सोसायटी (पेन्सीलवेनिया)

जेफरसन →

थामस पेन → कॉमन सेंस Book राष्ट्रीय विचारो से ओत प्रोत

अमेरिकी क्रांति मे चल रहे बौद्धिक आंदोलनो का योगदान रहा। बेंजामीन फ्रेंकलिन (APS) मे स्वतंत्रता तथा समानता के मुद्दो को उठाया। जेफरसन भी स्वतंत्रता का घोर समर्थक था इन विचारो ने शक्ति का पृथक्करण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, संपति के अधिकार जैसे मुद्दो को उठाया। थामस पेन ने कॉमन सेंस मे राष्ट्रीय मुद्दो से जुडे विचारो को लिखा। अतः इन दार्शनिको ने ~~प्रत्यक्ष~~ प्रत्यक्षतः आंदोलन का नेतृत्व नहीं किया लेकिन इनके कर्मो की वजह से अमेरिकी क्रांति मे एक सकारात्मक पक्षधन

यूरोप का सप्तवर्षिय युद्ध :- 1756 - 1773

- फ्रांस ने कनाडा से सैनिक बुला लिये तो अमेरिकी नागरिको की आवाज बुलंद ~~रह~~ हुयी क्योंकि अमेरिकी को फ्रांसीसी हस्तक्षेप का डर कम हो गया। (इंग्लैंड तथा फ्रांस)
- कुछ फ्रांसीसी सैनिको ने अमेरिकी क्रांति का समर्थन किया ताकि इंग्लैंड का उपनिवेश टूटे।

ब्रिटिशो की कठोर नीति :-

- ग्रेनविले → The state For Southern Department उपनिवेशो मे प्रशासकीय व्यवस्था पर नियंत्रण है

ताकि जो कम कर मिल रहा वो मिले।
इसमे प्रयास किया गया जो निम्न है →

1. Navigation Act - अमेरिकन जहाज व्यापार पहले ब्रिटेन के बंदरगाह पर लाये जायेंगे
2. Tread Act - विभेदकारी कर व्यवस्था, से व्यापार वाणिज्य को प्रभावित
3. Currency Act - विनिमय दर का निर्धारण
4. Industrial Act - औद्योगिक विकास को नियमि
5. Quartaning Act - USA के प्रशासन मे जो खर्च था उसे अमेरिका से वसूलने का प्रयास किया गया।

6. स्टाम्प Act - 1765 → व्यापारी / प्रतिष्ठान ब्रिटिश स्टॉम्प पर रजिस्ट्रेशन करेंगे
   ↙ Anti Stamp Congress - 1765

ग्रीनविले सरकार का पतन हुआ तथा वकिंघम की सरकार बनी तो स्टाम्प Act को वापस ले लिया परंतु शर्त रखी USA पर Tax लगाने का अधिकार ब्रिटिश संसद का था। → No Taxation without Representation

<u>Lord North Tea Policy</u> → उपनिवेशो से चाय सिर्फ USA से हो सकता है

इससे USA मे चाय सस्ती हो गई परंतु USA की जनता ने ब्रिटिश संसद से कोई Tax नही लेने की नीति को रखा तथा जब बोस्टन पर चाय आयी तो मजदूरो ने चाय के बंडलो को समुद्र मे फेंक दिया यहा से अमेरिकी क्रांति शुरू हुयी इसे "बोस्टन टी पार्टी" कहती है।

फिलाडेल्फिया सम्मेलन Ist → जॉर्जिया उपस्थित नही।
→ कॉनकार्ड मे ब्रिटिश अमेरिकी संघर्ष शुरू
फिलाडेल्फिया सम्मेलन IInd 1775 10 May
वॉशिंगटन को कार्यपालिका प्रमुख माना
पेरिस की संधि - अमेरिका स्वतंत्र हुआ।

Scanned with OKEN Scanner

अमेरिका नेतृत्व - वाशिंगटन
ब्रिटिश नेतृत्व - कार्नवालिस

① → अमेरिकी क्रांति का स्वरूप

अमेरिकी क्रांति, क्रांति नहीं थी → कुछ इतिहासकारों के अनुसार यह क्रांति, क्रांति नहीं थी क्योंकि अमेरिकी क्रांति ने फ्रांसीसी एवं रूसी क्रांति की तुलना मे सामाजिक परिवर्तनों का सूत्रपात नहीं किया। अमेरिकी मूल निवासी Red Indian की स्थिति वही रही। इसके अलावा दास व्यवस्था बनी रही, कृषकों व मजदूरों के लिए कोई विशेष कार्यक्रम नहीं।

- किन्तु इसके बावजूद अमेरिकन क्रांति को इस बात का श्रेय प्राप्त है कि उसने सबसे पहले प्रबोधन के विचारों को लागू करने का प्रयास किया। इसी के माध्यम से ही शासन का एक नया विकल्प लागू हुआ लोकतंत्र, गणतंत्र, शक्ति का पृथक्करण, व्यक्तिगत अधिकारों की बात। इस प्रकार अमेरिकन क्रांति, क्रांति थी।

② अमेरिकन क्रांति, स्वतंत्रता संग्राम थी → हाँ, इसने स्वतंत्र USA का निर्माण किया। जो ब्रिटेन के हितों की टकराहट के साथ हुआ। प्रायः जब के राष्ट्र के हितों की टकराहट दूसरे राष्ट्र के हितों से टकराता है तो वह स्वतंत्रता संग्राम होता है। स्वतंत्र आंदोलन मे एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र से लड़ता है परंतु अमेरिकी क्रांति मे ऐसा नहीं था एक राष्ट्र अपने ही राष्ट्र के खिलाफ लड़ रहा था। इसमे प्रबोधन, वाणिज्यवाद तथा राष्ट्रीय राज्य का प्रभाव,

क्रांति की ओर — स्वतंत्रता की ओर

Scanned with OKEN Scanner

फ्रांसीसी क्रांति
(1789-1815)

- फ्रांसीसी समाज
- फ्रांसीसी क्रांति के कारण
- फ्रांसीसी क्रांति के चरण / स्वरूप
- नेपोलियन का उत्थान एवं पतन
- फ्रांसीसी क्रांति का परिणाम
- फ्रांसीसी क्रांति - युरोपीय समस्या का समाधान
  1. राजतंत्र v/s लोकतंत्र
  2. पोप v/s धर्म निरपेक्षता
  3. पुंजी v/s श्रम

- फ्रांसीसी समाज →
  1. विशेषाधिकार युक्त / अभिजात्य वर्ग
     - पादरी वर्ग
       - बड़े पादरी
       - छोटे पादरी
     - राजा / सामंत
  2. विशेषाधिकार वंचित / सामान्य वर्ग
     ↓
     जन सामान्य, मजदूर दास, कृषक
  3. मध्यम वर्ग
     व्यापारी, शिक्षक, चिकित्सक, साहित्यकार

फ्रांसीसी समाज का युरोप मे सबसे पहले सशक्त मध्यम वर्ग का उदय हुआ

- फ्रांसीसी क्रांति के कारण →

फ्रांसीसी क्राति का विश्लेषण आर्थिक राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों मे कर सकते हैं

<u>आर्थिक कारण</u> → समाज मे आर्थिक असंतुलन था।

- अभिजात्य वर्ग (1 %) थे → पादरी, → सामंत) 20 भूमि थी
- अभिजात्य वर्ग कर नही देता था। सामान्य वर्ग 85% कर देता था।

Scanned with OKEN Scanner

• फ्रांस की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी उस समय सप्तवर्षीय युद्ध, अमेरिका क्रांति मे हस्तक्षेप, युद्धों मे वह ऋणग्रस्त हो गया।
• राजा के व्यक्तिगत कोष एवं राजकोष कोई अंतर नहीं था।
• कहावत → पादरी वर्ग अय्याशी करता है, सामंत वर्ग युद्ध करता है तथा जनता कर देती है।

फ्रांस की आर्थिक स्थिति को सुधारने के दो ही रास्ते थे
① कर मे वृद्धि
② नये कर लगाना
इनके लिए
पहले पार्लमा को बुलाया गया (35 प्रांतो मे 13 थी) परंतु जब इन्होंने मना कर दिया तो राजा ने स्टेट्स जनरल (संसद) को बुलाया तथा यह पारित
(1789)

→ इस कारण से कई इतिहासकार आर्थिक कारणों को ही क्रांति का कारण माना

टॉकवीले ने इसे नहीं माना वह कहता है कि समृद्धि के बाद मंदी आयी तो लोगों ने क्रांति की

<u>राजनैतिक कारण</u> :- • निरंकुश शासन पद्धति
Lui XIV th I am the state
Lui XVI th क्रांति हुई

• केन्द्र – त्रिसदनीय व्यवस्था → I st राजा/सामंत
→ II nd पादरी वर्ग
→ III rd सामान्य
But राजा ने 175 वर्षों तक इसे भी नहीं बुलाया (1789 तक)
त्रिसदनीय व्यवस्था मे किन्ही 2 का बहुमत ही कानून था तथा I st व II nd हमेशा मिले हुए रहते थे
→ राजा कार्य पार्लमाओं के जरिए करवाता था। इन 50% हो जाए तो कानून लागू (कर लागू करने मे)
↳ Lui XVI th ने जब संसद को बुलाया तो III rd सदन ने सब को साथ बैठकर कानून बनाने को कहा।
↓
इसमे पादरी वर्ग का जो पक्ष जनता से जुड़ा था
उसने जनता की ओर बोलना शुरू किया

Scanned with OKEN Scanner

तथा अब संसद लोकतंत्र, गणतंत्र की ओर बढ़ रही थी।

सामाजिक कारण →

समाज → विशेषाधिकार युक्त < पादरी, सामंत
समाज → मध्यम वर्ग उदय (आर्थिक प्रगति से)
समाज → विशेषाधिकार वहीन

क्रांति की मांग ✗
सुधार चाहता था, अधिकार भी राजतंत्र उदार हो

सांस्कृतिक कारक
↓
- मांन्टेस्क्यू
Spirit of Laws
↓
शक्ति पृथक्करण सिद्धांत
↓
कार्यपालिका | विधायिका | न्यायपालिका

- वाल्टेयर → स्वतंत्रता।
- क्वेस्नो → अर्थव्यवस्था में कृषि विकास पर बल।

- रूसो → Emile
समानता – प्राकृतिक व शारीरिक असमानता स्वीकार्य परंतु मानव जनित नहीं; समान अवसर की अनुपस्थिति से असमानता आती
आदर्शवादी समाज
सामाजिक संविदा का सिद्धांत

जब सभी नागरिक अपने अधिकारों को समाज को सौंप दे रहे हैं तो समाज आदर्श बन जाएगा और जो नहीं सौंप पा रहे हैं समाज उन्हे बताएगा।

समाज के सभी नागरिक राजा को कर देंगे तथा राजा कुशलता व कल्याण के लिए कार्य करेगा अगर राजा यह समझौता तोड़ता है तो जनता को यह अधिकार है वह उसे उखाड़ फेंके Bcs सम्प्रभुता जनता में होती है

फ्रांसीसी क्रांति का स्वरूप → 1789-1815

यह क्रांति 2 दशकों तक अनवरत चलने वाली घटना थी इसमे 4 चरण देखे गए तथा प्रत्येक चरण का स्वरूप बदला।

1789 - 1792 → संवैधानिक राजतंत्र का चरण
1792 - 1795 → उग्र गणतंत्र
1795 - 1799 → उदारवादी गणतंत्र / डायरेक्टरी काल
1799 - 1815 → लोकतंत्र की आड़ में तानाशाही

• संवैधानिक राजतंत्र का चरण ÷ 1789-1792

→ पार्लमा द्वारा कर वृद्धि पर रोक लगा दी तो राजा ने एस्टेट्स जनरल की बैठक बुलाई। 5 मई 1789

→ 17 June 1789 को IIIrd एस्टेट्स ने एकसाथ तीनो एस्टेट्स की मांग करी

→ 23 June 1789 को एक साथ बैठक तो माना गया परंतु मतदान अलग होने को कहा

→ अगले दिन राजा ने बैठक असेम्बली मे ताला लगवा दिया। मिराबु ने टेनिसकोर्ट की बैठक मे यह घोषणा कि की वह तब तक नहीं हटेगा जब तक कि राष्ट्रीय संसद का गठन ना हो अंतत: राजा ने इसे स्वीकार लिया

→ 9 July 1789 को एस्टेट्स जनरल को एक संसदीय बना दिया गया
I + II + III

→ 14 July 1789 ÷ बास्तिल के दुर्ग का पतन
↓
गंभीर यातनाएँ देने हेतु इसमे कैद किया जाता था। परंपरा का पतन होगया

संविधान सभा की घोषणाएँ ÷

1) सांमती विशेषाधिकार समाप्त, समानता का सिद्धांत को स्वीकार किया।
2) मानवाधिकार की घोषणा - मनुष्यो के कुछ सार्वभौमिक अधिकार है जिनकी रक्षा करना राज्य का उत्तरदायित्व
→ स्वतंत्रता, समानता, संपत्ति, मानववाद की स्थापना

Scanned with OKEN Scanner

3) अधिकार निर्वाचित संसद के पास होंगे
4) राजा संवैधानिक प्रमुख

| स्वतंत्रता, समानता, भ्रातृत्व | ← नारा

→ 20 June 1792 ÷ Lui XVI^th भागता हुआ पकड़ा गया
Sept. में फ्रांसी BCs लोगों ने माना
कि वह क्रांति का विरोध कर रहा है।

→ 1795 का संविधान ÷ आधार - प्रबोधन तथा घोषणाएं (4)
└ जिन लोगों का संविधान निर्माण में योगदान था वह नयी संसद के लिए निर्वाचित नहीं हो सकते थे

• उग्र गणतंत्र ÷ 1795 - 1799
→ असेम्बली → क्रांति समर्थक (उत्तर पंथी / वाम पंथी)
→ असेम्बली → राजतंत्र समर्थक (दक्षिण पंथी) परंपरा समर्थक लोग थे

क्रांतिसमर्थक
→ जैकोबियन ↓ मारो, दांतो, राब्सपियर · त्वरित परिवर्तन
→ जिरोंदिस्ट ↓ रोला, ब्रुजो, कोंडरसे क्रमिक परिवर्तन

2 संस्थाएं बनी - सामान्य सुरक्षा समिति
क्रांतिकारी न्यायाधिकरण

*राब्सपियर ने पहले आतंकीत राज्य किया बाद में इसकी हत्या कर दी गई तथा क्रांति III^rd Step में पहुँच जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

• उदारवादी गणतंत्र :- 1795-99
→ डायरेक्टरी का काल कहते हैं
→ नवी वर्मेंडियन प्रक्रिया → 9 तारीख थी

→ कार्यपालिका मे 5 डायरेक्टरी का शासन लाया गया।
→ डायरेक्टरी ने आंतरिक सुधारो किये :-
डासता समाप्ति चार्टर स्वीकार।
नाप तौल की मैट्रिक प्रणाली शुरूआत
सार्वजनिक वितरण प्रणाली स्वीकारी/शुरूआत की
लुव्रे का संग्रहालय खोला गया

परंतु बाह्य स्तर पर वो ही निरंतरता रखी जो उग्र गणतंत्र वाली थी - युद्धो को जारी रखा।
डायरेक्टरी को युद्धो मे असफलता रही इटली से
इन सभी से जनता को लगा कि फ्रांस हार रहा है तथा। उदय हुआ अब नेपोलियन का
जब डायरेक्टरी के खिलाफ विद्रोह हुआ तो नेपोलियन ने डायरेक्टरी को बचाया तथा जनता को आश्वासन दिलाया। कि डायरेक्टरी की असफलता को सफलता मे बदलने का

• नेपोलियन का उदय /लोकतंत्र की आड मे तानाशाही
1799 -1815
नेपोलियन को इटली अभियान पर भेजा गया तथा वह विजयी रहा, वह मिस्त्र मे हार भी गया परंतु लोगो ने उसके फ्रांस ~~इटली~~ लौटने पर लोगो ने उसका स्वागत किया। नेपोलियन ने कई सुधार किये - जिससे क्रांति के कारण उथल पुथल हुई तो फ्रांसीसी समाज मे स्थायित्व आया उसके सुधार निम्न थे :-

Scanned with OKEN Scanner

a) आर्थिक सुधार
b) प्रशासनिक सुधार
c) विधि संहिताएँ बनाई गई।

Imp → फ्रांसीसी क्रांति लगभग 2 दशकों तक चलने वाली घटना थी जिसमे 4 चरण देखे गये और प्रत्येक चरण का स्वरूप बदलता गया। फ्रांसीसी क्रांति का Ist चरण (1789-1792) तक रहा जिसमे राजा ने एस्टेट्स जनरल की बैठक बुलायी। मिराबु की टेनिस कोर्ट मे ली गई शपथ एवं विशाल समर्थन के बाद लुई XVI को तीनो एस्टेट्स को एक सदन / सभा मे बैठने की अनुमति दी गई। यह सभा एक निकाय थी इसमे निम्न पादरी वर्ग ने सामान्य प्रतिनिधियों का समर्थन किया तथा अंतत: इस सभा के द्वारा निम्नवत प्रस्ताव पारित किए
- सामंती विशेषाधिकार समाप्त, मानवाधिकार घोषणा
- स्वतंत्रता, समानता, मानवता की स्थापना, संपत्ति के अधिकार की घोषणा

उपर्युक्त घोषणा के आधार पर ही फ्रांसीसी संविधान का निर्माण होना था। 14 July 1789 को बास्टिल दुर्ग का पतन हुआ जो कि राजतंत्रात्मक शोषण की समाप्ति का प्रतीक था। नयी संवैधानिक व्यवस्था मे राजा संवैधानिक प्रमुख था।

इस प्रकार 1792 का फ्रांस वैचारिक स्तर पर यूरोप से आगे निकल गया था।

फ्रांसीसी क्रांति के परिणाम

Bark : Refluctions on the French Revolution
फ्रांस की क्रांति ने युरोप मे अशांति पैदा की है
फ्रांसीसी क्रांति यदि ना भी होती तो भी लोकतंत्र, गणतंत्र, धर्म निरपेक्षता जैसे आदर्श राजनीति मे आते।

Kant : विवेक की विजय (हिगल ने समर्थन किया)

→ गणतंत्र, लोकतंत्र, धर्म निरपेक्षता को मजबूत किया
→ स्वतंत्रता, समानता तथा भ्रातत्व भावना विकास
↓
इससे राष्ट्रवाद के विकास मे सहयता
→ मानवाधिकारो की घोषणा
→ Law of Maximum
→ रूसी क्रांति तक विश्व की कई घटनाएँ फ्रांसीसी क्रांति से जुड़ी थी।

नेपोलियन

क्रांतिपुत्र था ? - यह मानना कठिन नही है कि नेपोलियन क्रांति पुत्र था BCZ क्रांति ने ही नेपोलियन के उदय का मार्ग प्रशस्त किया था। डायरेक्टरी की बाह्य तथा आंतरिक मोर्चे पर असफलता ने नेपोलियन के उदय को संभव बनाया। नेपोलियन ने सीमित संसाधनो से जिस तरह से सफलताएँ प्राप्त की इससे उसकी लोकप्रियता बढ़ी।

एक और दृष्टि से देखा जाए तो युरोपीय राजनीति मे अभिजात्य वर्ग, राजशाही वंश सक्रिय रही थी But क्रांति ने एक सामान्य वर्ग के लोगो के उदय का

Scanned with OKEN Scanner

आधार प्रस्तुत किया। नेपोलियन भी एक सामान्य परिवार का सदस्य था, यदि क्रांति के आदर्श नहीं होते तो नेपोलियन के उदय की कल्पना नहीं कि जा सकती थी

नेपोलियन के सुधार :-

आर्थिक सुधार → • 1800 में Bank of France स्थापना
केन्द्रीय बैंक, मुद्रा का मानकीकरण
• बेरोजगारी समस्या दूर करने का प्रयास किया → नहरे खुदवायी, सार्वजनिक कार्य, रोजगार के अवसर
• परिवहन तथा संचार का विकास
• स्टॉक संबंधी नियम
• Trade Fair लगवाये, निर्यात को प्रोत्साहन

प्रशासनिक सुधार → • केन्द्रीयकरण पर बल
• 5 डायरेक्टरी को 3 डायरेक्टरी में बदला → 1 डायरेक्टरी में बदला तथा अपने अधीन कर लिया
• जिले स्तर पर → प्रीफेक्टरस, → सब-प्रीफेक्टरस } मेयर बनाये
• स्वयं को राजा तक घोषित कर लिया।

विधि संहिताओं का निर्माण →
• Penal Code (दंड संहिता)
• Civil Procidure Code (सिविल प्रक्रिया संहिता)
• Criminal Procidure code CrPC
• Family Code

शिक्षा क्षेत्र में सुधार →
• प्राथमिक शिक्षा – माध्यमिक शिक्षा – वि.वि.
• तकनीकी शिक्षा
• नार्मल एवं सैनिक स्कूल
T.T. School

Scanned with OKEN Scanner

पोप से समझौता -1802
• फ्रांसीसी लोग कैथोलिक धर्म अपनायेंगे
• क्रांति के दौरान चर्च की भूमि छीनी गई उसे वापस नहीं किया जायेगा।

नेपोलियन के राजनैतिक उपलब्धियाँ :

1796-97 → इटली के विरुद्ध अभियान ↑
1797 → ऑस्ट्रिया के खिलाफ ↑
1798 → मिस्र अभियान ↓
1801 → ऑस्ट्रिया के विरुद्ध ↑
1802 → इंग्लैंड को थल युद्ध मे हराया
But ट्रेफल्गार युद्ध मे हार गया
1803 → ऑस्ट्रिया
1808 → स्पेन (नासूर बना)
1807 → रूस

महाद्वीपीय व्यवस्था : इसका तर्क आधार यह था कि यदि ब्रिटेन के आर्थिक हितों पर चोट किया जाए तो उसे राजनैतिक रूप से बाध्य किया जा सकता था। इसके लिए यूरोपीय देशों को यह आदेश दिया गया कि वह इंग्लैंड के साथ व्यापार ना करे अन्यथा वे फ्रांस के शत्रु राष्ट्र होंगे (21/11/1806) ट्रेफल्गार युद्ध के बाद

* इसके बाद बर्लिन तथा मिलान तथा इसके बाद फातबलो अध्यादेश लाये गये महाद्वीपीय व्यवस्था को लेकर।

महाद्वीपीय व्यवस्था क्रियान्वयन :-
① फ्रांस, अकेले मांग को पूरा नहीं कर सकता था
② स्पेन -1807 मे आक्रमण किया ताकि इंग्लैंड के अटलांटिक हस्तक्षेप / व्यापार पर रोक हो

Scanned with OKEN Scanner

यहाँ फर्डिनेंड को शासक बनाया तथा गुरिल्ला युद्ध शुरू हो गया। विरोध होने लगे।

(3) 1807 में रूस पर आक्रमण किया।

(4) England Council in order - Jan
↓ फ्रांस के साथ व्यापार प्रतिबंध

(5) 1813 - Russia + Austriya + England
लिपजिंग युद्ध RAE V/s नेपोलियन
↓ हारा

(6) 1815 वाटरलू का युद्ध, नेपोलियन हारा तथा उसे निर्वासित कर दिया गया।

वियना कांग्रेस, - 1815

उद्देश्य - नेपोलियन के बाद यूरोप की व्यवस्था को पुनर्स्थापित करना

Work ÷ क्रांति के आदर्शों को प्रसारित होने से रोकना
क्रांति से उत्पन्न परिस्थितियों का सीमांकन
— चर्च की स्थिति को लौटाना।
युद्ध को रोकना।

* व्यक्तित्व जो वियना कांग्रेस को प्रभावित किया ÷
- मेटरनिख (ऑस्ट्रिया का चांसलर)
- एलेक्जेंडर (रूस)
- (फ्रांस) लिलेरा
- केसलरे (इंग्लैंड)

सिद्धांत ÷ (1) शक्ति संतुलन का सिद्धांत ÷ शक्ति का असंतुलन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में अव्यवस्था पैदा करता है अतः शक्ति संतुलन का सिद्धांत यह समर्थन करता है कि शक्ति का असंतुलित वितरण न हो।

Scanned with OKEN Scanner

② वैधानिकता का सिद्धांत
③ दंड तथा पुरस्कार नीति → क्रांति का समर्थन किया।
क्रांति का विरोध किया
↓ पुरस्कृत किया
→ स्वेच्छा - कठोर
→ दबाव - उदार

यूरोपीय व्यवस्था ÷ वियना कांग्रेस से

ब्रिटेन → माल्टा तथा हलीगोलैंड क्षेत्र
टोबैगो, सेंटलूसिया-फ्रांस से लेकर ब्रिटेन को

फ्रांस → • क्रांति से पहले फ्रांस की सीमा को स्वीकारा।
• 70 करोड़ फ्रैंक का जुर्माना लगाया गया।
• फ्रांस के आसपास शक्तिशाली राज्यों की स्थापना।
• प्रशा को मजबूत किया गया, ऑस्ट्रिया, हॉलैंड, स्वीजरलैंड, बावेरिया की सीमा विस्तार
• बूर्बों वंश के लुई XVIII th को स्थापित किया गया।

इटली → कई छोटे राज्यों मे बांटा गया तथा विदेशी राजकुमारों को इस पर स्थापित किया गया।
रोम मे कैथोलिक पोप की मान्यता दी गई

जर्मनी → प्रशा व बावेरिया को सशक्त
ढीला ढाला संघ स्थापित किया - ऑस्ट्रिया

वियना कांग्रेस के सकारात्मक पक्ष ÷

① अगले 40 वर्षों तक यूरोप मे शांति व्यवस्था स्थापित
② यूरोपीय स्तर पर शांति स्थापित करने की एक संस्था की बात उठी, आगे चलकर League of Nation एवं UNO के स्थापना का आधार बना।
③ फ्रांस को वार्ताओं मे शामिल किया।

नकारात्मक पक्ष ÷ ① उदारवाद एवं राष्ट्रवाद के विचारधारा को दबाने का प्रयास किया जो कि तार्किक नहीं था जो समय की सुई को पीछे करना था।

Scanned with OKEN Scanner

जर्मनी का एकीकरण

- समस्याएँ
- प्रयास
- चरण
- बिस्मार्क नीति
- जर्मनी व इटली एकीकरण तुलना

समस्याएँ ÷
- 300 छोटे-2 राज्य
- उत्तर, दक्षिणी मध्य मे राज्य

उत्तर ↓ प्रशा, सेक्सनी; दक्षिणी → गुटनबर्ग; राइनलैण्ड

यह प्रतिक्रियावादी उदारवादी मिलीजुली प्रकृति

- आर्थिक विकास नहीं हुआ था
- धार्मिक मान्यताओ / विश्वासो मे अंतर
- विदेशी शासको का रूचि
  - फ्रांस → दक्षिणी क्षेत्र
  - इंग्लैण्ड → हनोवर (उत्तर मे था)

जर्मनी एकीकरण प्रयास ÷

① **बौद्धिक आंदोलन** :-
- ⓐ बर्शेन शेफ्ट →1805 संगठन नैतिकता, देशभक्ति लाया
- ⓑ हेडजल - वेस्टरम → जीवित राज्य
- ⓒ फिक्टे
- ⓓ हार्डर → स्वतंत्रता

② जाल्वेरिन संघ की स्थापना :- आर्थिक एकीकरण का प्रयास - शुल्क रहित व्यापार का प्रयास
↓
ऑस्ट्रिया को छोड़ लगभग युरोपीय देश इसमे आ गये

③ नेपोलियन के अभियानो का प्रभाव ÷ स्वतंत्रता, समानता तथा भ्रातृत्व भावना का विकास

④ 1815 मे वियना कांग्रेस ÷ प्रशा को क्षार वाला क्षेत्र मिला जो कोयला व लोहा प्रधान था

इसीलिए लोग कहते है कि "यह बिस्मार्क की लौह-रक्त नीति नहीं थी, लौहा व कोयला था जिससे एकीकरण को संभव बना।"

Scanned with OKEN Scanner

⑤ 1848 की फ्रांसीसी क्रांति ÷ यह फ्रांस से शुरू हुई
(इसने इटली, ऑस्ट्रिया, प्रशा को भी चपेट में लिया
→ फ्रैंकफर्ट की संसद ने प्रशा के नेतृत्व में एकीकरण की बात कही परंतु प्रशा ने यह स्वीकारा नहीं।

⑥ प्रशा में आर्थिक एवं सैनिक सुधार ÷ विलियम कैसलर शासक
- यातायात, संचार, उद्योगों का विकास
- मौल्टेने -3 के नेतृत्व में सैनिक शक्ति बढ़ावा
- निम्न सदन के विरोध के बावजूद सैन्य बजट पारित

डेनमार्क विवाद -1864 | चरण ÷

श्लेस विग, हेलेस्टाइन को प्रशा अकेले जीत नहीं सकता था तथा उसने ऑस्ट्रिया की मदद से उसे जीता तथा श्लेस विग अपने पास रखा तथा हेलेस्टाइन (जहां जर्मन निवासी ज्यादा थे) को दे दिया ऑस्ट्रिया को ताकि जर्मन एकीकरण में वो जर्मनी का समर्थन करे जिसे ऑस्ट्रिया का चांसलर समझ नहीं सका।

ऑस्ट्रिया-प्रशा युद्ध ÷ सेडोवा का युद्ध 1866
ऑस्ट्रिया द्वारा तथा संधि हुई प्राग/पराग की
ऑस्ट्रिया, जर्मन संघ से अलग हो गया
30 लाख पौंड हर्जाना दिया

प्रशा का कद बढ़ा, फ्रांस का कद घट गया 3cr फ्रांस की बिना अनुमति जर्मन संघ बन गया

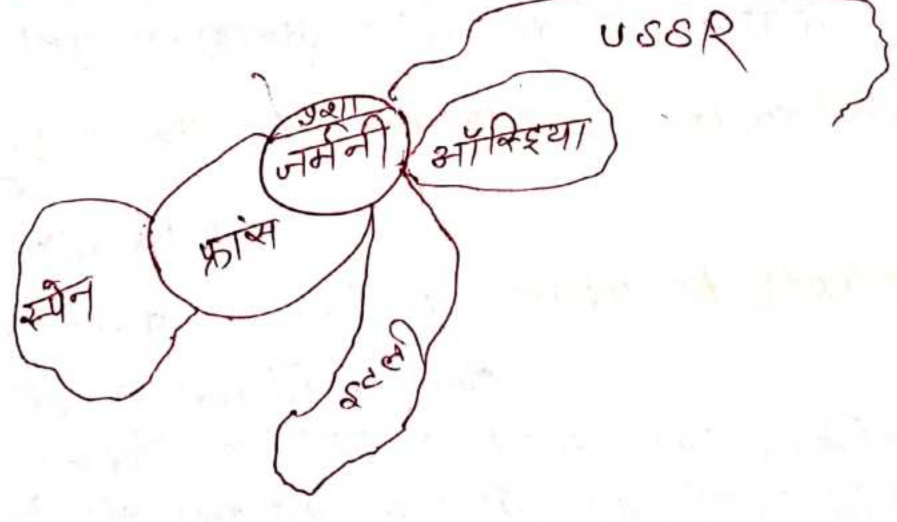

Scanned with OKEN Scanner

स्पेन मे उतराधिकारी संघर्ष ÷

स्पेन की राजकुमारी इसा बेला बहुत अलोकप्रिय हो गई थी वहा पर लियोपोल्ड ने उतराधिकारी बनने की ठानी तो प्रुशा ने उसका समर्थन किया तो नेपोलीयन III ने प्रशा के बिस्मार्क के पास अपना दूत भेजा तथा लियोपोल्ड का समर्थन ना करने के बात कही तथा आश्वासन की मांग की बिस्मार्क उस समय चिकित्सालय मे था उसने उसके पत्र को अखबारो मे छापवा दिया तथा कहा फ्रांस हमारे सामने गिड़गिड़ा रहा है तो फ्रांस भड़क गया। तथा युद्ध हुआ

सेडान का युद्ध ÷ 1871

France V/S प्रशा ↑

फ्रेंकफर्ट की संधि ÷
- जर्मन संघ को मान्यता मिली
- आलसीस तथा लॉरेन का क्षेत्र फ्रांस से जर्मनी ने ले लिया।
- फ्रांस पर 20 करोड पोंड का जुर्माना।

* इटली का एकीकरण हुआ परंतु जर्मनी प्रशा मे मिल गया

इटली व जर्मनी के एकीकरण की तुलना ÷

समानता ÷
1. दोनो के एकीकरण के पुर्व बिखराव
2. विदेशियो का हस्तक्षेप था
3. आर्थिक विकास नही था
4. दोनो के एकीकरण मे नेपोलियन के अभियानो तथा 1830 तथा 1848 की क्रांति का प्रभाव था
5. दोनो राजतंत्र मे एकीकृत हुए।

असमानता ÷
1. जर्मनी की तुलना मे इटली मे बाधाये अधिक
2. इटली मे रोम था जिसका समर्थन कैथोलिक शासक पोप हेतु करते थे।
3. इटली ने कूटनीती का सहारा लिया जबकि बिस्मार्क ने सैन्य शक्ति का

Scanned with OKEN Scanner

5. इटली ने सैन्य शक्ति को अंतिम माना जबकि जर्मनी ने प्रथम
6. इटली एकीकरण मे कावूर दुसरे चरण मे मर गया जबकि बिस्मार्क बाद मे प्रभावी रहा।
7. इटली का एकीकरण महत्वपुर्ण पीडमांड के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता थी जबकि जर्मनी मे प्रशा की प्राथमिकता
8. इटली का एकीकरण दुसरे राष्ट्रो पर निर्भर था जबकि जर्मनी मे प्रशा का महत्वपुर्ण योगदान था। अतः स्वभाविक रुप से युरोपीय राजनीति पर जर्मनी का प्रभाव अधिक रहा।

बिस्मार्क की विदेश नीति

बिस्मार्क ने कहा जर्मनी संतुष्ट राज्य है तथा प्रसार की इच्छा नहीं। But 1871 की फ्रेंकफर्ट की संधि मे फ्रांस से आलसीस तथा लॉरेन जर्मनी ने लिया था तो बिस्मार्क ने सोचा कि फ्रांस उससे बदला तो लेगा।
→ तो उसने फ्रांस को अलग थलग करने कि नीति अपनाई

कूटनीतिक संधि / प्रतिरक्षात्मक संधियाँ :

(1) 1872 : Russia + जर्मनी + ऑस्ट्रिया

इन तीनो राष्ट्रो पर कोई अन्य राष्ट्र आक्रमण करेगा तो संयुक्त कार्यवाही करेगे।

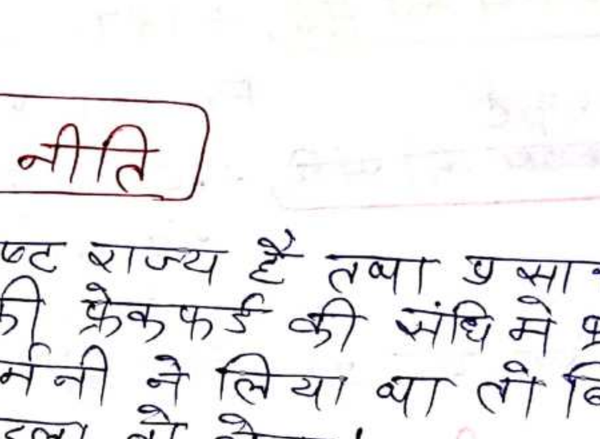

सेंटपीटसबर्ग पुल तथा वियना पुल

यह 1873 मे ही टूट गयी Bcz ऑस्ट्रिया तथा रूस के बीच पुर्वी कृष्ण क्षेत्र का विवाद था तथा जब इसका विवाद का निपटारा करने के लिए जर्मनी मध्यस्थ बना तो उसे ऑस्ट्रिया का साथ दिया तथा रूस नाराज होकर अलग हो गया।

② जर्मनी तथा रूस
जर्मनी तथा ऑस्ट्रिया > अलग-2 संधि गोपनीय

③ 1888 मे पुनः तीनो का संगठन बना।

④ इटली ट्युनिशिया को उपनिवेश बनाना चाहता था जो पहले ही फ्रांस के पास था + तो बिस्मार्क ने 1882 मे जर्मनी + इटली + ऑस्ट्रिया प्रतिरक्षात्मक संधि की।

⑤ इंग्लैण्ड मे बिस्मार्क ने अपने भाई को भेजा तथा कहवाया कि इंग्लैण्ड जल शक्ति है जर्मनी थलशक्ति

इन संधियो का उद्देश्य युद्ध रोकना था But इसने संदेह का वातावरण तैयार किया सबसे बड़ी बात यह कि बिस्मार्क की अद्भुत कूटनीतिक क्षमता थी जिसने विरोधी राष्ट्रो को भी एक संधि से जोड़ा किन्तु बिस्मार्क के बाद जर्मन कूटनीति का संयुक्त समाप्त हो गया।

But जब बिस्मार्क ने त्यागपत्र दे दिया तब नया चांसलर बना तथा जलशक्ति की बात की। तो इंग्लैण्ड विरोधी हो गया जर्मनी का तथा फ्रांस को प्रोत्साहित किया कि वो रूस मे निवेश करे तथा इस प्रकार जर्मनी के विरुद्ध ब्रिटेन + फ्रांस + रूस संघ बन गया।

Q. इटली के एकीकरण मे बाधाएँ कौनसी थी / कैसे हुआ
इटली का एकीकरण 19 वी सदी की युरोपीय राजनीति की एक प्रमुख घटना थी। ग्रीको रोमन साम्राज्य एवं पुर्नजागरण के केन्द्र इटली के समक्ष कई चुनौतिया थी

Q. इटली के एकीकरण मे काबुर / मेजिनी / गेरीबाल्डी के योगदानो की चर्चा करे ?

Q. क्रीमिया के कीचड़ से इटली का उदय हुआ ? टिपणी

Q. जर्मनी के एकीकरण की बाधाएँ कौन-2 सी थी

Q. जर्मनी का एकीकरण मे बिस्मार्क की रक्त एवंलोह की नीति का परिणाम था ?

Scanned with OKEN Scanner